



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 16, 1983/माघ 27, 1904
No. 52] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 16, 1983/MAGHA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1983

सं० का० नि० 86(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधि-
नियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने
के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार संशोधन
नियम, 1981 है।
- (2) ये 1-3-83 को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय तार नियम, 1951 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त
नियम कहा गया है) नियम 443 के स्थान पर निम्नलिखित रखा
जाएगा अर्थात् :—

“443 मद्रास में व्यतिक्रम—यदि, नियत तारीख को या उससे
पहले, बी गई टेलीफोन सेवा की बाबत किए गए या अन्य प्रभागों
का उपभोक्ता द्वारा इन नियमों के अनुसार मरवाय नहीं किया
जाता है या कालों (स्थानीय और टुक) या फोनतारों की बाबत
प्रभागों के बिलों का या उपभोक्ता से अन्य शीघ्र धन का उम्मेद
द्वारा सम्यक् रूप से संवाय नहीं किया जाता है तो उसके द्वारा
बिना सूचना के काटा जा सकेगा। इस प्रकार काटे गए टेलीफोन या
टेलीफोनियों को, यदि तार प्राधिकारी ठीक समझे तो, पुनः चालू किया जा
सकेगा यदि व्यतिक्रमी उपभोक्ता बकाया शीघ्र धन और पुनः कनेक्शन
फॉर्म तथा मध्यवर्ती अवधि के ऐसे भाग के कारण का (जिसके दौरान
टेलीफोन या टेलीफोन कटे रहे) जो तार प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर
बिहित किया जाए, संवाय कर देता है। उपभोक्ता उपरोक्त सभी

गई कोई अन्य टेलीफोन सेवा को बिना सूचना के काटा जा सकेगा।
इस प्रकार काटे गए टेलीफोन या टेलीफोनियों या टेलीफोन को, यदि
तार प्राधिकारी ठीक समझे तो, पुनः चालू किया जा सकेगा यदि व्यतिक्रमी
उपभोक्ता बकाया शीघ्र धन और पुनः कनेक्शन फॉर्म तथा मध्यवर्ती अवधि के
ऐसे भाग के कारण का (जिसके दौरान टेलीफोन या टेलीफोन कटे रहे) जो तार
प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर बिहित किया जाए, संवाय कर देता है। उपभोक्ता
उपरोक्त सभी प्रभागों का ऐसी अवधि के भीतर संवाय करेगा जो
तार प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर बिहित की जाए।”

(3) उक्त नियमों के नियम 511 के उपनियम (3) के स्थान पर
निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) यदि, नियत तारीख को या उससे पहले, बी गई टेलीफोन
सेवा की बाबत किए गए या अन्य प्रभागों का उपभोक्ता द्वारा इन नियमों
के अनुसार मरवाय नहीं किया जाता है या कालों (स्थानीय, राष्ट्रीय और
अंतरराष्ट्रीय) की बाबत प्रभागों के बिलों का या उपभोक्ता से अन्य शीघ्र
धन का उसके द्वारा सम्यक् रूप से संवाय नहीं किया जाता है तो उसके
द्वारा किए गए पर किए गए किसी टेलीफोन या टेलीफोनियों को बिना सूचना के
काटा जा सकेगा। इस प्रकार काटे गए टेलीफोन या टेलीफोनियों को, यदि तार
प्राधिकारी ठीक समझे तो, पुनः चालू किया जा सकेगा यदि व्यतिक्रमी
उपभोक्ता बकाया शीघ्र धन और पुनः कनेक्शन फॉर्म तथा मध्यवर्ती अवधि के
ऐसे भाग के कारण का (जिसके दौरान टेलीफोन या टेलीफोन कटे रहे) जो तार
प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर बिहित किया जाए, संवाय कर देता है। उपभोक्ता
उपरोक्त सभी

प्रधारों का ऐसी अवधि के भीतर संशय करेगा जो तार प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विहित की जाए।”

[2-37/82-टो.आर.]

के. थोमस कोरा, सदस्य (टो.आर.)

डाक-तार बोर्ड, नई दिल्ली-1

टिप्पणी:—6-11-78 तक संशोधित डाक-तार नियम पुस्तक खंड एक (विधायी अधिनियम भाग-दो) के प्रकाशन के पश्चात् निम्नलिखित प्रमुख अधिसूचनाएँ उपरोक्त नियमों में संशोधन के लिए जारी की गई हैं; अर्थात्—

1. सांकांनि०	संख्या	178	दिनांक	03-02-79
2. सांकांनि०	संख्या	287	दिनांक	17-02-79
3. सांकांनि०	संख्या	458	दिनांक	24-03-79
4. सांकांनि०	संख्या	495	दिनांक	31-03-79
5. सांकांनि०	संख्या	315 (ई)	दिनांक	18-05-79
6. सांकांनि०	संख्या	872	दिनांक	16-06-79
7. सांकांनि०	संख्या	1508	दिनांक	15-12-79
8. सांकांनि०	संख्या	132	दिनांक	19-01-80
9. सांकांनि०	संख्या	196	दिनांक	16-02-80
10. सांकांनि०	संख्या	476 (ई)	दिनांक	16-08-80
11. सांकांनि०	संख्या	492 (ई)	दिनांक	27-08-80
12. सांकांनि०	संख्या	549 (ई)	दिनांक	25-09-80
13. सांकांनि०	संख्या	1218	दिनांक	15-11-80
14. सांकांनि०	संख्या	59 (ई)	दिनांक	12-02-81
15. सांकांनि०	संख्या	388 (ई)	दिनांक	09-06-81
16. सांकांनि०	संख्या	391 (ई)	दिनांक	11-06-81
17. सांकांनि०	संख्या	443 (ई)	दिनांक	20-07-81
18. सांकांनि०	संख्या	744	दिनांक	28-07-81
19. सांकांनि०	संख्या	920	दिनांक	10-10-81
20. सांकांनि०	संख्या	1106	दिनांक	12-12-81
21. सांकांनि०	संख्या	1141	दिनांक	19-12-81
22. सांकांनि०	संख्या	1142	दिनांक	19-12-81
23. सांकांनि०	संख्या	58 (ई)	दिनांक	11-02-82
24. सांकांनि०	संख्या	352 (ई)	दिनांक	24-04-82
25. सांकांनि०	संख्या	744 (ई)	दिनांक	09-12-82

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Posts & Telegraphs Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1983

G.S.R. 86(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely :—

(1) These rules may be called the Indian Telegraph (Amendment) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the 1st of March 1983.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 443, the following shall be substituted namely:—

“443. Default of payment:—If, on or before the due date, the rent or other charges in respect of the telephone service provided are not paid by the subscriber in accordance with these rules, or bills for charges in respect of calls (local and trunk) or phonogram, or other dues from the subscriber

are not duly paid by him, any telephone or telephones or any telex service rented by him may be disconnected without notice. The telephone or telephones or the telex so disconnected may, if the Telegraph Authority thinks fit, be restored, if the defaulting subscriber pays the outstanding dues and the reconnection fee together with the rental for such portion of the intervening period (during which the telephone or telex remains disconnected) as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time. The subscriber shall pay all the above charges within such period as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time.”

3. In rule 511 of the said rules, for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(3) If on or before the due date, the rent or other charges in respect of telex service provided are not paid by the subscriber in accordance with these rules, or bills for charges in respect of calls (local, national and international), or other dues from the subscriber are not duly paid by him, any telex or telephone or telephones rented by him may be disconnected without notice. The telex or telephones so disconnected may, if the Telegraph Authority thinks fit, be restored if the defaulting subscriber pays the outstanding dues and the reconnection fee together with the rental for such portion of the intervening period (during which the telex or telephones remain disconnected) as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time. Subscriber shall pay all the above charges within such period as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time.”

[2-37/82-TR]

K. THOMAS KORA, Member (T.O.)

P. & T. Board, New Delhi-1

Note:—The following principal Notifications after publication of P & T Manual Volume I (Legislative Enactments—Part II) corrected upto 1-11-78 amending the said rules have been issued, namely :—

- (1) G.S.R. No. 178 Dated 03-02-79
- (2) G.S.R. No. 287 Dated 17-02-79
- (3) G.S.R. No. 458 Dated 24-03-79
- (4) G.S.R. No. 495 Dated 31-03-79
- (5) G.S.R. No. 315(E) Dated 18-05-79
- (6) G.S.R. No. 872 Dated 16-06-79
- (7) G.S.R. No. 1508 Dated 15-12-79
- (8) G.S.R. No. 132 Dated 19-01-80
- (9) G.S.R. No. 196 Dated 16-02-80
- (10) G.S.R. No. 476(E) Dated 16-08-80
- (11) G.S.R. No. 492 (E) Dated 27-08-80
- (12) G.S.R. No. 549(E) Dated 25-09-80
- (13) G.S.R. No. 1218 Dated 15-11-80
- (14) G.S.R. No. 59(E) Dated 12-02-81
- (15) G.S.R. No. 388(E) Dated 09-06-81
- (16) G.S.R. No. 391(E) Dated 11-06-81
- (17) G.S.R. No. 443(E) Dated 20-07-81
- (18) G.S.R. No. 744 Dated 28-07-81
- (19) G.S.R. No. 920 Dated 10-10-81
- (20) G.S.R. No. 1106 Dated 12-12-81
- (21) G.S.R. No. 1141 Dated 19-12-81
- (22) G.S.R. No. 1142 Dated 19-12-81
- (23) G.S.R. No. 58(E) Dated 11-02-82
- (24) G.S.R. No. 352(E) Dated 24-04-82
- (25) G.S.R. No. 744(E) Dated 09-12-82